भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3548

जिसका उत्तर 22 मार्च, 2023 को दिया जाना है ।

1 चैत्र, 1944 (शक)

घर तक फाइबर योजना

3548. श्री पी.पी. चौधरी :

श्री अनुराग शर्मा :

श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :

डॉ. रमापति राम त्रिपाठी :

श्री बृजभूषण शरण सिंह :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या घर तक फाइबर योजना अभी भी चल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस योजना से प्राप्त किए जा रहे लाभों का ब्यौरा क्या है;

(ग) आज की तारीख तक, पूरे भारत में फाइबर से जोड़े गए गांवों की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(घ) राजस्थान के पाली तथा उत्तर प्रदेश के गोंडा-बहराइच, झांसी, देवरिया जिलों और ओडिशा के बालासोर जिले सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के फाइबर से जुडे गांवों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क): भारत सरकार के तहत घर तक फाइबर योजना के लिए ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं है।

(ख): हालांकि, दूरसंचार विभाग (डीओटी)/भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), भारत सरकार चरणबद्ध तरीके से भारतनेट परियोजना को लागू कर रहा है । भारतनेट परियोजना देश में ग्राम पंचायतों (जीपीएस)/गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ेगी । इस बुनियादी ढांचे को गांवों/सरकारी संस्थानों, स्कूलों और निजी क्षेत्रों सहित जीपीएस/ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी के प्रावधान के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (आईएसपी)/इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पट्टे पर दिया जा सकता है ।

भारतनेट नेटवर्क का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया गया है । फरवरी 2023 तक, उपयोग की स्थिति निम्नानुसार है:

प्रारम्भ किए गए फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) कनेक्शनों की संख्या : 2,53,160
जीपी में स्थापित वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या: 1,04,671
पट्टे पर दिए गए डार्क फाइबर : 59,831 किलोमीटर
पट्टाकृत बैंडविड्थ : 2,14,814 एमबीपीएस

(ग): फरवरी 2023 तक भारतनेट परियोजना के तहत फाइबर से जुड़े ग्राम पंचायतों (जीपी) की संख्या 1,84,554 है।

(घ): फरवरी 2023 तक तैयार की गई ग्राम पंचायतों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	**राज्य / जिला**	**सेवा हेतु तैयार जीपी की संख्या**

1.	राजस्थान	8,740
2.	उत्तर प्रदेश	41,479
3.	ओडिशा	6,741
4.	पाली, राजस्थान	317
5.	गोंडा, उत्तर प्रदेश	261
6.	बहराइच, उत्तर प्रदेश	333
7.	झाँसी, उत्तर प्रदेश	467
8.	देवरिया, उत्तर प्रदेश	944
9.	बालासोर (बालेश्वर), ओडिशा	360

******

*****